

तं (पन्थानं) मर्तिसो न पश्यथ 103, 16. भद्रं पश्येमात्मभिः 89, 8. 113, 11. पश्य-
तो घन्धं डुरितादरत्न 147, 3. ऋतु मर्तेषु वृत्तिना च पश्यन् 7, 60, 2. पश्येम
शरदः शतम् 66, 16. पश्यति पुत्रम्, पश्यति पौत्रम् so v. a. erlebt TBr. 2,
1, 8, 3. AV. 4, 20, 2. 10, 8, 14. 11, 7, 23. ÇAT. Br. 9, 2, 1, 6. 10, 5, 2, 2. ÂCV.
Grh. 1, 17. अग्रियमेवास्मिं लोके पश्येताप्रियममुष्मिन् ÇAT. Br. 11, 5, 3.
12. अथः पश्यस्व मोषतिरे 8, 33, 19. युवां नरा पश्यमानास चाप्यम् 7, 83, 1.
9, 110, 6. प्रियामहे तन्वं पश्यमानः KĀT. ÇR. 13, 2, 19. यतो ब्रतानि पस्पशे
RV. 1, 22, 19. 128, 4. गाः पस्पशानस्तविप्रोरथत् 10, 102, 8. यदूर्ध्वस्पर्श
कर्तव्यम् als er die vielen Bemühungen gewahr wurde 1, 10, 12. — चनु-
र्भ्यां त्वां न पश्यामि Daç. 2, 59. गात्रो गन्धेन पश्यति वेदेनैव द्विजातयः ।
चैः पश्यति राजानश्चक्षुर्भ्यामितरे जनाः ॥ Spr. 832. नहि पश्यामि तानह-
म् । आगच्छतः N. 2, 18, 3, 24. 9. 12. यो न वागुर्न चादित्यः पुरा पश्यति 10,
21. MBh. 3, 15578. 5, 7294. पश्यती. अपश्यती R. 4, 29, 17. RAGH. 2, 17.
ÇĀK. 6, 11. MBh. 105. Vid. 10. ÇRĠGĀR. 5. गृह्यस्तु यदा पश्येद्वली-
पलितमात्मनः M. 6, 2. सर्वभूतेषु चात्मानं सर्वभूतानि चात्मानि । समं पश्य-
न् 12, 91. 125. अर्थार्थिकाणां पापानामासु पश्यन्विर्ययम् 4, 171. 8, 165.
ममापि सूत पश्य त्वं संख्यानं परमं बलम् N. 20, 5. R. 1, 60, 12. अहो का-
मी स्वतां पश्यति ÇĀK. 35. वाचि प्राणे च पश्यतो यज्ञनिर्वृत्तिमज्ञायाम् M.
4, 28. उभयोः पश्यतात्तरम् Hit. I, 60, 9, 7. अहमेकदा दक्षिणारण्ये चरन्-
पश्यम् । एको बृहव्याघ्रः स्नातः कुशकस्तः सरस्तीरे ब्रूते 10, 8. सो ऽपश्य-
मानस्तमृषिम् MBh. 1, 2896. विद्वयो यावदादर्शं नात्मनः पश्यति मुखम्
3074. 3281. 7855. 3. 2363. 2538. 10069. 4, 171. 5, 7094. 7, 778. 8, 3044.
पश्यधम् — महात्मनः । मापि भक्तिं पराम् 13, 928. 14, 806. N. 23, 4. HA-
RIV. 2594. R. 1, 41, 9. 2, 47, 4. RĀGA-TAR. 4, 385. Bhġ. P. 4, 26, 24, 25.
9, 16, 2. तस्य बुद्धिरियं वासोदरं पश्ये वसुधराम् । अतिरम्यवनाद्यानाम्
MĀR. P. 61, 7. sehen in astrol. Sinn so v. a. in adspectu stehen: लग्न-
मिन्द्रावपश्यति wenn der Mond das L. nicht sieht VARĀH. BRH. S. 5. 1.
स्वप्नान् ein Traumgesicht sehen R. 2, 4, 16. न पश्यामि ich sehe nicht
mehr Daç. 2, 71. ansehen, anschauen, betrachten: नाञ्जयतीं स्वके नेत्रे
न चाभ्यक्तामनावृताम् । न पश्येत्प्रसवतीं च तेजस्क्रामो द्विजोत्तमः ॥ M. 4,
44. 48. 142. नाहमेनं धनुष्याणि युयुत्सुं समुपस्थितम् । मुहूर्तमपि पश्येयं
प्रहरीयं न चाप्युत ॥ MBh. 3, 7352. एकाग्रमपदं रम्यं पश्याम्माकम् R. 1,
9, 54. धातरं देवसंकाशं स्नेहात्पश्यन् 71, 13. पुरुषमसूयया पश्यति ÇĀK.
76, 2. ad 25. 7. RAGH. 12, 37. ÇĀK. 9, 18. अपश्यत्त रणं दिव्यं देवाः सेन्द्रग-
णास्तदा MBh. 5, 7110. पश्यती तिष्ठति hinsehend, betrachtend ÇĀK. 11.
8. N. 3, 8. Vid. 92. पश्यामि कस्येयं पदपङ्क्तिः 287. 198. अयुध्यमानं पश्य-
त्तम् zusehend M. 7, 92. Buġ. P. 4, 10, 14. BHATT. 3, 104. तस्य सीदति
तद्राष्ट्रं गौरिव पश्यतः vor seinen Augen M. 8, 21. नाशयति बलं सर्वं वि-
श्यामित्रस्य पश्यतः R. 1, 54, 18. 60, 15. N. 20, 10. MBh. 3, 16501. RAGH.
12, 101. Spr. 354. sehen auf (loc.): मातृवत्परदारिषु परद्रव्येषु लोष्टवत् ।
आत्मवत्सर्वभूतेषु यः पश्यति स परिउतः ॥ Hit. I, 12. Jmd sehen so v. a.
vor JmDs Angesicht treten, vor Jmd erscheinen, sich Jmd vorstellen,
Jmd seine Aufwartung machen: अयं स पुरुषव्याघ्रो द्वारि तिष्ठति ते सु-
तः । — ॥ स त्वां पश्यतु R. 2, 34, 6. 7. रिक्तपार्णिणं (so ist zu lesen) पश्येत
राज्ञानम् Vrt. in LA. 2, 14. MBh. 1, 1248. असावत्रभवान्वर्णाश्रमाणां र-
क्षिता प्रागेव मुक्तासनो वः प्रतिपालयति । पश्यतैनम् ÇĀK. 63, 15. fgg. म-
त्संदेशैः सखायितुमलं पश्य साधो निशीथे MBh. 86. Jmd sehen so v. a.
vor sein Angesicht kommen lassen, empfangen: प्रार्थयेद्यदि मो कश्चिद्-

IV. Theil.

एव्यस्ते स पुमान्भवेत् । भर्तुरन्वेणार्थं तु पश्येयं ब्राह्मणानहम् ॥ N. 13, 48.
sehen, schauen so v. a. ersehen, erleben, theilhaftig werden: ततो भद्रा-
णि पश्यति M. 4, 174. Vikr. 163. Spr. 1483. न पुत्रमरणं केचित्पश्यति
स्म नराः क्वचित् R. 4, 1, 88. 2, 20, 34. तदेतत्सदनम् — पश्यस्व MBh. 3,
10595. यं तु पश्येन्निति राजा पुराणं निकृत्तं तितो so v. a. finden M. 8,
38. sich umsehen nach, aufsuchen: पश्यधं सारथिं त्रिप्रं मम युक्तं प्रया-
स्यतः MBh. 4, 1172. in Betracht ziehen, erwägen: तेषां ग्राम्याणि का-
याणि — पश्येत् M. 7, 120. 8, 2. 24. यो ऽर्थान्धर्मणा पश्यति 175. 12, 19.
JĀG. 1, 326. अपरं च पश्य Hit. 16, 7. 41, 5. इतिवृत्तं बलस्यात्तं स्वकुल-
स्यापि लाङ्कनम् । मरणं वा समीपस्थं कामिल्लोका न पश्यति ॥ Spr. 420.
981. mit dem geistigen Auge erschauen (wie Seher und Dichter); daher
auch erfinden. z. B. Opfergebräuche: (प्र वोचाम) उक्थेयुं स्व्यमानीषु यः
पश्याडुत्तरे युगे RV. 10, 72, 1. पश्यन्मन्ये मनसा चक्षसा च तान्य इमं यज्ञम-
यज्ञत् पूर्वं 130, 6. अयोनत्तीयमपश्यत् Ait. Br. 2, 19. 31. तदेतदपिः पश्यन्-
भ्यनूवाच 3, 12. ÇAT. Br. 3, 2, 3, 6. 4, 2, 1. 13, 2, 11, 1. 14, 5, 5, 16. ÇĀK. ÇR.
14, 7, 6. 16, 1, 3. voraussehen: यदा पश्येद्भुवं जगम् M. 7, 183. वयं पश्याम
तपसा त्रिप्रं इत्यसि नैषधम् MBh. 3, 2492. पश्यमाना भयमिदं प्रवेष्टुं नात्र
शक्नुमः 1, 8382. 13, 82. HARIV. 7670. sehen so v. a. kennen: गतिमन्याम्
— नाहं पश्यामि कां (so ist zu lesen) च न R. 1, 57, 20. Vid. 30. न तु प-
श्याम्युपायं तं येन u. s. w. R. GORR. 2, 8, 2. ansehen für, erkennen als,
halten für: सर्वः कात्तमात्मानं पश्यति ÇĀK. 23, 4. ज्ञानमूलां क्रियामेयां
पश्यतो ज्ञानचतुषा M. 4, 24. इमं हि सर्ववर्णानां पश्यतो धर्ममनुत्तमम् 9, 6.
61. एको सांख्यं च योगं च यः पश्यति BHAG. 5, 5. 13, 27. 29. 18. 36. अपश्य-
दात्मना कार्यं दमपत्याः स्वयंवरम् N. 2, 7. आश्चर्यमित्र पश्यामि यस्यास्ते
वृत्तमीदृशम् R. 2, 33, 12. 1, 62, 14. न भद्रमिदं पश्यामि Hit. 10. 3. पश्यामि
तत्सुखं यत्र निर्वृतिः MBh. 12, 4114. med. Buġ. P. 1, 5, 27. mit साधु die
richtige Einsicht haben M. 7, 25. MBh. 4, 1583. Daçak. in BENF. Chr. 182.
17. ohne साधु dass. BHAG. 2, 69. 5, 5. 13, 27. 29. 18, 16. med. MBh. 7.
4251. — पश्यामि ich sehe es, ich bin davon überzeugt mitten in den Satz
eingeschoben: तादृशं च पश्यामि विद्योतयति मे गृहम् N. 13, 25. Häufig
wird पश्य, um die Aufmerksamkeit zu erregen, interjectionsartig in
den Satz eingeschoben oder vorangestellt: केनाप्युत्तिपतेव पश्य भुवनं
मत्पार्श्वमानीयते ÇĀK. 167. 7. MĀR. P. 14. 62. 24, 34. पश्य कर्मपतिवद्दो
मूपिकेण विमोचितः Spr. 608. पश्य und पश्यत als Ausdrücke des Erstaun-
ens und Lobes MED. v. j. 64. 65. 30. Wenn ein solches पश्य oder पश्यत
auf etwas Lobenswerthes aufmerksam macht, behält das Verbum fini-
tum im Satz seinen Ton nach P. 8, 1, 39. पश्य पश्य (oder पश्यत पश्यत)
माणावको भुङ्क्ते शोभनम् Sch. पश्य leitet in prosaischen Schriften häufig
einen Vers ein, z. B. ÇĀK. 3, 16. 17. 24, 8. 27, 6. 30, 15. 97, 15. 111, 13. 20.
— caus. अपस्पशत् P. 7, 4, 95. med. bemerklich machen, bezeichnen,
zeigen; sich merken: स्पाशयस्व (= वाधयस्व SĀJ.) यो अस्मिधुक् RV. 1,
176, 3. प्रहानध्वर्युं स्पाशयेत् KĀT. 35, 16. PĀRĀV. Br. 9, 9, 15. स्पाशयां
चक्रं zur Erkl. von पस्पशे ÇAT. Br. 7, 3, 1, 25. भूमेस्तत्स्पाशयिवाप नो
ब्रूहि 6, 3, 11. partic. स्पाशित = स्पष्ट P. 7, 2, 27.
— अति hinaussehen über, durchschauen: रात्र्याश्चिदन्धो अतिं देव
पश्यति RV. 1, 94, 7. सकृन्नात्ता अतिं पश्यति भूमिम् AV. 4, 16, 4. 5. 2. 13,
1, 45. ततः परं नाति पश्यामि किं च न 18, 2, 32.
— अनु 1) hinblicken auf, erblicken, wahrnehmen, entdecken: येन च-

38*